Date 29.7.24
Page 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (डायरी, विज्ञापन) पृष्ठ-147, 151)

पुस्तक - वीवा हिंदी व्याकरण-7

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

डायरी लेखन कक्षा सातवीं हिंदी व्याकरण की पुस्तक वीवा-7 के पृष्ठ-147 पर दिया गया है। यह कार्य आपको

29.7.24

को भेजा जाएगा, साथ ही विज्ञापन लेखन जोकि पृष्ठ-151 पर दिया गया है। यह दोनों कार्य आपको साथ-साथ ही भेजे जा रहे हैं।

बच्चो, 'डायरी' को दैनंदिनी भी कहा जाता है। जिसका अर्थ है जो 'प्रतिदिन लिखी जाए'। 'डायरी' लेखन हर दिन की विशेष घटनाएँ - प्रिय - अप्रिय, जिन्होंने मन पर प्रभाव छोड़ा हो, डायरी में लिखी जाती है।

बच्चो, डायरी लिखने के कुछ विशेष उद्देश्य होते हैं जो इस प्रकार हैं —

* जो व्यक्ति अपनी बात को दूसरों को समझा पाने अथवा व्यक्त कर पाने में असमर्थ होता है, उसे वह डायरी में लिख लेता है। 'डायरी' सही अर्थ में सच्चे मित्र की तरह होती है, जिसे हम सब कुछ बता सकते हैं। इसमें प्रतिदिन की विशेष घटनाओं को लिखकर हम उन्हें यादगार बना लेते हैं।
* जिस प्रकार हम फोटो देखकर अपने पुराने अवसर की याद ताज़ा कर लेते हैं, उसी प्रकार डायरी के माध्यम से हम अतीत में लौट सकते हैं तथा अपने खट्टे-मीठे अनुभवों को पुनर्जीवित कर सकते हैं।
* प्रसिद्ध और महान व्यक्ति भी डायरी लिखते थे। उनकी डायरी पढ़कर हम पूरा तत्कालीन युग देख सकते हैं। कई बार यही डायरी आगे चलकर 'आत्मकथा' का रूप ले लेती है, जिससे हम महान व्यक्तियों के विचारों, अनुभवों व दिनचर्या के बारे में जान पाते हैं।

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

Date 29.7.24
Page 2

कक्षा- सातवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (डायरी, विज्ञापन पृष्ठ-147, 151)

डायरी लिखते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

* पृष्ठ के सबसे ऊपर तिथि, दिन तथा समय, जब डायरी लिखी जा रही हो) को लिखना चाहिए।
* इसे प्राय: सोने से पहले लिखें ताकि पूरे दिन में घटित सभी विशेष घटनाओं को लिख सकें।
* डायरी के अंत में अपने हस्ताक्षर करने चाहिए, ताकि वह आपका व्यक्तिगत दस्तावेज़ बन सके।
* डायरी लिखते समय सरल व स्पष्ट भाषा का प्रयोग करना चाहिए।

बच्चो! मैंने डायरी लेखन के बारे में आपको समझा दिया है। अब मैं आपको विज्ञापन लेखन के बारे में समझाऊँगी।

विज्ञापन :-

बच्चो! वर्तमान युग विज्ञापनों का युग है। विज्ञापनों की दुनिया निराली है। सभी सूचना एवं संचार माध्यमों पर विज्ञापन अपनी पकड़ बना चुका है। किसी भी उत्पादन की की बिक्री उसके विज्ञापन पर अधिक निर्भर करती है। विज्ञापन जितना प्रभावशाली होगा, बिक्री उतनी ही अधिक होगी। बच्चो, विज्ञापनों की चकाचौंध में आकर आप धोखा न खाएँ, इसलिए सावधानी बरतनी ज़रूरी है। आजकल किसी भी उत्पाद की सफलता और असफलता उसके विज्ञापन पर निर्भर करती है। अत: विज्ञापन बनाते समय कुछ मुख्य बिंदुओं को ध्यान में रखना आवश्यक है —

* विज्ञापन की भाषा सरल और प्रभावशाली होनी चाहिए।
* कम शब्दों में अधिक जानकारी होनी चाहिए।
* चित्र रंगीन, आकर्षक तथा प्रभावशाली होने चाहिए।
* उत्पाद की गुणवत्ता संबंधी जानकारी अवश्य देनी चाहिए।
* उत्पाद को वह नाम देना चाहिए, जो नाम बाज़ार में उपलब्ध उत्पादों से अलग हो।

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (डायरी, विज्ञापन) पृष्ठ-147, 151)

उत्पादों से अलग हो।

* विज्ञापन एक चौखटे के भीतर बनाना चाहिए।
* वस्तु प्राप्ति का स्थान, संपर्क के लिए दूरभाष नंबर आदि भी देना चाहिए।

बच्चो, विज्ञापन कई प्रकार के होते हैं जैसे:-

(क) नौकरी संबंधी
(ख) बिक्री हेतु वस्तुओं की विशेषता बताने (के लिए) वाले विज्ञापन।
(ग) वस्तुओं के खोने-पाने संबंधी विज्ञापन।
(घ) वर-वधू संबंधी वैवाहिक विज्ञापन।
(ङ) विद्यालय - महाविद्यालयों में प्रवेश लेने हेतु विज्ञापन।
(च) ज़मीन-जायदाद खरीदने व बेचने की जानकारी देने वाले विज्ञापन।

इस प्रकार बच्चो आप ऊपर दी गई जानकारी को पढ़ व समझ कर कोई भी विज्ञापन तैयार कर सकते हैं।

बच्चो! मैंने आपको 'डायरी लेखन' और 'विज्ञापन' के बारे में समझा दिया गया है। अब मैं आपको गृहकार्य दे रही हूँ।

गृहकार्य:-

* कोई आँखों देखी भयानक घटना (दुर्घटना) के दृश्य का वर्णन अपनी डायरी में लिखो।

* बालों में लगाने वाले तेल के लिए आकर्षक व रंगीन विज्ञापन तैयार करो।

सब बच्चे इस कार्य को समझकर ध्यानपूर्वक अपनी अभ्यास-पुस्तिका में करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner